'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2023

DSE-P4-HINDI (604)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

पत्र संख्या **DSE-604A** 'राष्ट्रीय काव्यधारा' और **DSE-604B** 'संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा' में से किसी ***एक*** पत्र का उत्तर लिखिए

पत्र संख्या – DSE-604A

राष्ट्रीय काव्यधारा

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) माखनलाल चतुर्वेदी की दो काव्य-कृतियों के नाम उल्लेख कीजिए।

(ख) मैथिलीशरण गुप्त के तीन काव्य संग्रहों के नाम लिखिए।

(ग) बालकृष्ण शर्मा ' नवीन ' का प्रथम काव्य संग्रह का नाम और प्रकाशन वर्ष लिखिए।

(घ) दिनकर के दो काव्य संग्रहों का नामोल्लेख कीजिए।

(ङ) ' विपथगा ' के रचयिता कौन हैं ? यह किस संग्रह में संग्रहित है ?

(च) मैथिलीशरण गुप्त की खड़ीबोली की पहली रचना कौन सी है, वह किस पत्रिका में प्रकाशित हुयी थी ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पद्यांशों की व्याख्या कीजिए – 6×4 = 24

(क) हम कौन थे, क्या हो गये हैं और क्या होंगे अभी
आओ विचारें आज मिल कर,
यह समस्याएं सभी।

(ख) क्या गाती हो ?
क्यों रह-रह जाती हो ?
कोकिल बोलो तो !
क्या लाती हो ?
संदेशा किसका है ?
कोकिल बोलो तो !

(ग) हम अनिकेतन, हम अनिकेतन
हम तो रमते राम हमारा क्या घर
क्या दर, कैसा वेतन ?

(घ) मेरी पायल झनकार रही तलवारों की झनकारों में
अपनी आगमनी बजा रही मैं आप क्रुद्ध हुंकारों में !

(ङ) तू महाशून्य में खोज रहा
किस जटिल समस्या का निदान ?
उलझन का कैसा विषम जाल ?
मेरे नगपति ! मेरे विशाल !

(च) प्रियतम ! तुम श्रुति-पथ से आये।
तुम्हें हृदय में रख कर मैंने
अधर कपाट लगाये।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 12×2 = 24

(क) राष्ट्रीय काव्यधारा की परंपरा में माखनलाल चतुर्वेदी का स्थान निरूपित कीजिए।

(ख) आधुनिक युग के श्रेष्ठ वीर रस के कवि के रूप में दिनकर के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) ‘ हम अनिकेतन ’ कविता की मूल भावना का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।

(घ) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पत्र संख्या – DSE-604B

संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) संपादन-कला का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) शीर्षक लेखन का तात्पर्य क्या है ?

(ग) ‘ आमुख लेखन ’ से क्या अभिप्राय है ?

(घ) संपादन कला के दो सिद्धांत लिखिए।

(ङ) प्रिंट मीडिया में प्रयुक्त दो प्रयोजनपरक शब्दावली का उदाहरण दीजिए।

(च) समाचार में ‘ लीड ’ का क्या अर्थ होता है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 6×4 = 24

(क) संपादन कला के प्रमुख तत्त्वों पर विचार कीजिए।

(ख) समाचार के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(ग) समाचार पत्रिका के विविध स्तम्भों की महत्ता पर विचार कीजिए।

(घ) संपादन चिह्न के महत्त्व पर टिप्पणी कीजिए।

(ङ) कार्टून-संपादक के दायित्व पर विचार कीजिए।

(च) समाचार में ‘ शीर्षक-लेखन ’ का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 12×2 = 24

(क) संपादन के उद्देश्य पर विचार करते हुए इसके सामाजिक संदर्भ पर प्रकाश डालिए।

(ख) सम्पादकीय लेखन प्रविधि पर विचार कीजिए।

(ग) संपादकीय के सामाजिक प्रभाव पर प्रकाश डालिए।

(घ) कला-जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

——×——